Bihar Board Class 7 Social Science Civics Notes Chapter 5 समानता के लिए महिला संघर्ष

Bihar Board Class 7 Social Science समानता के लिए महिला संघर्ष Notes

पाठ का सार संक्षेप-

हमारे समाज में कामों को भी दो भागों में बाँट दिया गया है। आज भी समाज में लड़के और लड़कियों को समान नजरों से देखने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। आज भी बहुत से लोग ऐसे हैं महिला और पुरुषों का समानता का दर्जा नहीं देते । लोगों के हिसाब से कुछ काम जैसे-शिक्षक का कार्य, किसान का कार्य और सैनिक का कार्य सिर्फ पुरुष ही कर सकते हैं, महिलाएँ नहीं ।

बहुत से लोगों का यह मानना होता है कि महिलाएँ नर्स का कार्य अच्छे से कर सकती है, क्योंकि उनमें सहनशीलता और विनम्रता का गुण ' होता है। इस तरह लोगों की यह भी धारणा होती है कि तकनीकी कार्यों को करने में लड़कियाँ और महिलाएँ सक्षम नहीं होती है।

इन्हीं धारणाओं के कारण बहुत-सी लड़कियों को उनकी योग्यता के अनुसार पढ़ाई करने और प्रशिक्षण लेने की अनुमति नहीं दी जाती है। बहुत से लड़कियों में कुछ दिखाने की योग्यता होने के बावजूद उन्हें स्कूली शिक्षा से आगे की शिक्षा नहीं दिलवाई जाती है और उन्हें विवाह के लिए प्रेरित किया जाता है।

महिलाओं और पुरुषों में अगर काम करने की योग्यताएँ अलग-अलग
है तो इनमें यह फर्क उनके लड़की या लड़का होने से नहीं आता है।
बल्कि उनमें यह फर्क हमारी सोच से आता है कि हम उनके बारे में
कैसे सोचते हैं, उन्हें कैसे मौके देते हैं । इन बातों से ही यह तय होता है कि कौन किस काम के योग्य हो सकता है।

evidyarthi